

250

न्यायालय माननीय राजस्व मंडल खालियर कैम्प सागर म०प्र०

RL 0631
9-6-05

- 1- कनउवा तनय नधुवा अहिरवार
- 2- मुन्ना तनय नधुवा अहिरवार
- 3- दयाराम तनय नधुवा अहिरवार
- 4- बिन्दू तनय नधुवा अहिरवार

R. 821-11/05

सभी साकिन ग्राम बिदारी तहसील जतारा

जिला टोकमगद म०प्र०

-- आवेदकगण

बनाम

पन्नालाल तनय मंशाराम मिश्रा

निवासी ग्राम बिदारी तह०जतारा

जिला टोकमगद म०प्र०

-- अनावेदक

RL 0631
18-6-05
जायल मण्डल राज. खालियर

1215
13-6-05

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 50 म० प्र० भूरा० सहित

आवेदकगण यह पुनरीक्षण आवेदन पत्र पुनरीक्षण प्र०क्र० 122अ/19 स्न् 02-03 कनउवा कौरह बनाम पन्नालाल में न्यायालय श्रीमान् अवर आयुक्त सागर संभाग सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 9-3-05 से दुहित होकर अन्य आधारों सहित निम्न आधारों पर प्रस्तुत करते हैं :-

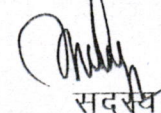
- 1- यहकि, अधीनस्थ पुनरीक्षण न्यायालय का आदेश अवैध व शून्य है उसे विधि के प्रावधानों के अंतर्गत स्थिर नहीं रखा जाना चाहिए।
- 2- यहकि, विद्वान अधीनस्थ न्यायालय द्वारा आवेदकगण द्वारा उठाए गए विधिक बिंदुओं पर कोई निष्कर्ष न निकाल कर विधिक त्रुटि की है।
- 3- यहकि, विद्वान अधीनस्थ न्यायालय ने इस विधिक बिंदु पर कोई निष्कर्ष ही नहीं निकाला कि श्रीमान् कलेक्टर

K/ka

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक....नियम:824-HH/-05.....जिला टीकमगढ़.....

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
8.2.17	<p>1- आवेदक के अधिवक्ता अनिल सिंह उपस्थित अनावेदक की ओर से दिलीप गोस्वामी उपस्थित उभयपक्ष अधिवक्तागणों के तर्क सुने। मैंने प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी अपर आयुक्त सागर के प्रकरण क्रमांक 122/अ-19/2002-03 में पारित आदेश दिनांक 09-03-2005 के विरुद्ध म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के तहत प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>2- मैंने आवेदक एवं अनावेदक अधिवक्ता के परिप्रेक्ष्य में अधीनस्थ न्यायालय के आदेश एवं रिकार्ड का अवलोकन किया। कलेक्टर टीकमगढ़ द्वारा आवेदकगणों को पूर्व से ही भूमि प्राप्त होने के आधार पर और वे भूमिहीन न होने से प्रदत्त की गई शासकीय भूमि को शासन के नाम दर्ज करने का आदेश पारित किया जिसकी पुष्टि अपर आयुक्त सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 09.03.2005 में की है। आवेदकगण की ओर से उक्त तथ्य के खण्डन में कोई दस्तावेज मेरे समक्ष प्रस्तुत नहीं किए हैं जिससे पारित आदेश में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि परिलक्षित नहीं होती है।</p> <p>3- उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 09.03.2005 एवं कलेक्टर टीकमगढ़ द्वारा पारित आदेश दिनांक 24.10.2002 यथावत रखते हुए यह निगरानी निरस्त की जाती है। अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख वापिस किए जाकर प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p style="text-align: center;">  सदस्य </p>